Toppersnotes
Unleash the topper in you

RPSC

असिस्टेंट प्रोफेसर

भूगोल

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)

भाग – 4

जनसँख्या व मानव भूगोल एवं भौगोलिक चिंतन

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	विश्व में जनसंख्या वृद्धि	1
2	जनसंख्या पिरामिड	29
3	जनसंख्या नीति	33
4	अनुकूलतम् जनसंख्या	39
5	जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत	42
6	जनसंख्या वृद्धि सिद्धान्त	47
7	भारत की जनसंख्या	51
8	मानव भूगोल (अर्थ, प्रकृति, विषयक्षेत्र)	63
9	मानव की आर्थिक गतिविधियाँ (मानव व्यवसाय)	76
10	मानव की आर्थिक गतिविधियाँ	89
11	प्रवास	97
12	मानव विकास व मानव प्रजातियां	115
13	विश्व की प्रमुख जनजातियाँ	138
14	भारत की जनजातियाँ	146
15	मानव विकास संकल्पना	152
16	भूगोल का अर्थ व परिभाषा	156
17	रोमन भूगोल वेताओ का योगदान	185
18	यूरोप में अधं युग	192
19	हम्बोल्ट	209
20	रिटर	217
21	रेटजेल	222
22	इमानुएल काण्ट	227
23	हार्टशोर्न	231

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	कार्ल आस्कर सावर	234
25	वरेनियस	238
26	द्वैतवाद	241
27	प्राचीन भारत में भौगोलिक ज्ञान	261
28	आधुनिक भारत में भूगोल का विकास	269
29	भूगोल में अभिनव प्रवृत्तियाँ	281
30	भूगोल में मात्रात्मक क्रान्ति	289
31	प्रत्यक्षवाद	292
32	नियतिवाद	300

1 अध्याय विश्व में जनसंख्या वृद्धि

विश्व में जनसंख्या वृद्धि

↳ पृथ्वी पर मानव का विकास आज से लगभग 10 लाख वर्ष पूर्व पुरापाषाण काल में हो चुका था, इस समय विश्व की कुल जनसंख्या लगभग 1000 के आस-पास थी।

यह जनसंख्या 1650 तक 55 करोड़ हो गयी।

1750 तक 72 करोड़
1800 तक 93 करोड़
1830 तक 100 करोड़
1930 तक 200 करोड़
1950 तक 251 करोड़
1960 तक 300 करोड़
1975 तक 400 करोड़
1987 तक 500 करोड़
1999 तक 600 करोड़
2011 तक 700 करोड़
2025 तक 800 करोड़

1. काल क्रमानुसार जनसंख्या वृद्धि :-

↳ कालक्रमानुसार जनसंख्या वृद्धि को तीन कालों में विभक्त किया जा सकता है :-

(1) प्रागैतिहासिक काल – आदिकाल में 4000 ई. पूर्व तक।
(2) प्राचीन एवं मध्य काल – 4000 ई. पूर्व से 1650 तक।
(3) आधुनिक काल – 1650 से वर्तमान तक।

(1) प्रागैतिहासिक काल :-

↳ मानव का उद्भव कब व कहाँ हुआ, इसका आज भी संशय बना हुआ है लेकिन ऐसा माना जाता है कि तृतीय काल (टर्शियरी काल) के इओसीन युग से मानव का विकास आरम्भ हो गया था।

↳ प्लायोसीन युग तक मानव वनमानुष के रूप में जीवन व्यतीत किया।

↳ विद्वानों का अनुमान है आधुनिक मानव का विकास आज से 10 लाख वर्ष

पूर्व (प्लीस्टोसीन) युग में हुआ।

आधुनिक मानव को (Homoapiens) कहा जाता है।

↳ इस काल में कई हिमयुग आये व गये जिससे जनसंख्या का स्थानान्तरण होता गया, जिसमें मानव विश्व के सभी भागों में रहने लगा व नई-नई प्रजातियों की उत्पति होती चली गयी।

↳ इस समय मानव जंगलो में रहता था व वही से अपनी जीवन पूर्ति करता था।

2. प्राचीन एंव मध्य काल :-

↳ प्राचीन या मध्य काल में मानव धीरे-धीरे एक जगह आवास बनाकर रहने लगा, जिस कारण वह कृषि कार्य व पशुपालन करने लगा।

↳ इस कारण धीरे-धीरे मानव सभ्यताओं का विकास होने लगा।

↳ इस काल में जनसंख्या में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही थी, इस समय अनेक महामारियों का प्रकोप था।

↳ इस समय 1650 तक विश्व की जनसंख्या 55 करोड़ थी, इस प्रकार ईस्वी सन् के आरम्भ से सन् 1650 ई. तक की अवधि में जनसंख्या दो गुणी हो चुकी थी।

3. आधुनिक काल :-

↳ 17 वी शताब्दी के मध्य से आधुनिक काल का आरम्भ माना जाता है

↳ 1650 में विश्व की कुल जनसंख्या 55 करोड़ थी जो 100 वर्ष बढ़कर 72 करोड़ हो गयी इस प्रकार 100 वर्ष में लगभग 30% वृद्धि हुई।

↳ वर्तमान समय में विश्व की कुल जनसंख्या 1 Jan 2024 को 8 अरब है।

↳ इस काल को जनसंख्या विस्फोट का काल कहा जाता है।

विभिन्न महाद्वीपों में जनसंख्या वृद्धि :-

[जनसंख्या दस लाख में]

वर्ष	एशिया	यूरोप	अफ्रीका	उत्तरीअमेरिका	द॰अमेरिका	ओशेनिया
1650	327	103	100	1	12	2
1750	475	144	95	1	11	1
1800	597	192	90	6	19	1
1850	741	274	95	26	33	1
1900	915	423	120	81	63	6
1950	1377	572	122	166	166	13
2000	4351	741	1136	562	410	31
2014						
2024	4785	741	1494	608	442	46

भारत में जनसंख्या वृद्धि :-

↳ वर्तमान समय में भारत विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या 142 करोड़ से अधिक है। जो विश्व की कुल जनसंख्या का 17% के लगभग है जबकि कुल भौगोलिक क्षेत्र का 2.4% ही है।

भारत में जनसंख्या वृद्धि के विभिन्न काल :-

↳ भारत प्रारम्भ से ही जनसंख्या समूहन का क्षेत्र रहा है लेकिन मध्यकाल तक प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों, संक्रमण, बीमारियों के कारण जनसंख्या धीरे-धीरे गति से बढ़ रही थी लेकिन 20वीं शताब्दी से जनसंख्या विस्फोटक दर से वृद्धि हुई, भारत में जनसंख्या वृद्धि को चार कालो में विभक्त किया गया है :-

(1) अति मंद वृद्धि काल :-

↳ यह काल 1891 से पूर्व का समय है।
↳ भारत में प्रथम जनगणना 1872 में हुई।
↳ 17वीं शताब्दी के आरम्भ में भारत की जनसंख्या 10 करोड़ थी। इसमें पाकिस्तान व बांग्लादेश भी शामिल थे।
↳ 1891 तक भारत में जनसंख्या सम्बंधी आकड़ो का संकलन उपयुक्त

विधि से नहीं होता था क्योंकि उस समय जन्म व मृत्यु दर के पंजीकरण की व्यवस्था नहीं थी।

↳ 1891 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 23.51 करोड़ थी।

(2) स्थायी जनसंख्या काल :-

↳ 1891 से 1921 का काल स्थायी जनसंख्या काल कहा जाता है

↳ यह काल महामारियों का काल था जिसमें मृत्यु दर अधिक थी।

(3) मन्द वृद्धि का काल

↳ 1921 से 1951 तक का समय मंद कृषि काल था।

> 1921 को भारतीय जनसंख्या विकास से एक महान विभाजक माना जाता है।

(4) तीव्र वृद्धि काल :-

↳ 1951 से वर्तमान काल समय, को तीव्र वृद्धि काल माना जाता है।

↳ स्वतन्त्रता के बाद पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत बहुमुखी विकास कार्यक्रम संचालित किये जाने लगे जिससे कृषि, उद्योगों, आर्थिक क्षेत्र में प्रगति हुई। चिकित्सा व स्वास्थ्य सुविधाओं में भी काफी सुधार हुआ, जिससे मृत्यु दर में कमी आयी जिससे जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हुई।

जनसंख्या का वितरण

↳ जनसंख्या का वितरण आदिकाल से लेकर वर्तमान समय तक बदलता रहा है।

↳ पृथ्वी पर जनसंख्या का वितरण अत्यधिक विषम है कहीं जनसंख्या का घनत्व अधिक है तो कहीं जनसंख्या का घनत्व कम है।

जनसंख्या का वितरण :-

↳ विश्व की 90% जनसंख्या पृथ्वी के 10% भाग पर निवास करती है जबकि 90% भू भाग पर 10% जनसंख्या निवास करती है।

↳ विश्व की 50% जनसंख्या 5% भूभाग पर रहती है।

↳ एशिया महाद्वीप में विश्व की 60% जनसंख्या निवास करती है।

↳ विश्व की 80% जनसंख्या उत्तरी गोलार्द्ध में, 20% जनसंख्या दक्षिणी गोलार्द्ध में निवास करती है।

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक :-

प्राकृतिक कारक	मानवीय कारक
जलवायु	आर्थिक कारक
स्थलाकृति	सामाजिक व सांस्कृतिक कारक
मृदा	राजनीतिक कारक
खनिज	जनांकिकीय कारक
जलापूर्ति	
उपजाऊ कृषि भूमि	

(1) जलवायु :-

↳ जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने में सबसे महत्वपूर्ण कारक है।
↳ जलवायु में तापमान, वर्षा, आर्द्रता, पवनें आदि को शामिल किया जाता है।
↳ इसी कारण जहाँ अनुकूल जलवायु है वहाँ जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक है जैसे- शीतोष्ण कटिबन्ध।
↳ सामान्यतः 4°-21°C तापमान मानवीय निवास के लिए अनुकूल होता है

> Note :- हटिंग्टन ने मानसिक कार्य के लिए 3°-5° व शारीरिक श्रम के लिए 15°-18°C तापमान उपयुक्त माना है।

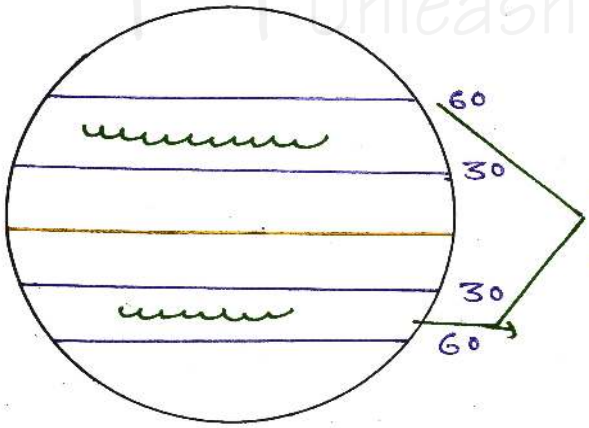

अधिक जनसंख्या घनत्व क्षेत्र
शीतोष्ण जलवायु

(2) उच्चावच स्थलाकृति :-

↳ जनसंख्या के वितरण में स्थलाकृति का भी प्रभाव देखने को मिलता है
↳ जो समतल मैदान होते है उनमें जनसँख्या अधिक निवास करती है जबकि पठारी व पहाड़ी भागों में जनसँख्या कम निवास करती है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

(3) मृदा :-

↳ मृदा भी जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करती है। उपजाऊ मृदा जनसंख्या को सदैव आकर्षित करती है इसी कारण नदियों के उपजाऊ मैदानों में जनसंख्या का उच्च घनत्व पाया जाता है।

↳ मृदा की इस महत्ता के कारण ही मानव सभ्यता का इतिहास मिट्टी का इतिहास है।

↳ इसके विपरीत बंजर व अनुपजाऊ मृदा में जनघनत्व कम पाया जाता है।

(4) खनिज पदार्थ :-

↳ औद्योगिक क्रान्ति के बाद खनिज संसाधनो की उपलब्धि ने जनसंख्या वितरण को काफी प्रभावित किया है।

↳ इसी कारण जहाँ खनिज उपलब्ध होते है वहाँ जनसंख्या अधिक मिलती है इनके कारण वहाँ उद्योगों का विकास होने से रोजगार आसानी से मिल जाता है।

Ex यूरोप में 40°-60° उत्तरी अक्षांशों के मध्य कोयला पेटी स्थित है। इस पेटी का विस्तार ब्रिटेन से लेकर रूस तक है इस कारण यहाँ लौहा इस्पात उद्योग काफी मिलते है इस कारण यहाँ जनसंख्या का जमाव अधिक मिलता है।

↳ दक्षिण-पश्चिम के शुष्क भागों में खनिज तेल के विशाल भण्डार के कारण प्रतिकूल दशाओं के बावजूद जनघनत्व अधिक मिलता है।

जलाशय (पानी की उपलब्धता) :-

↳ जल के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है इसी कारण जल उपलब्धता वाले क्षेत्रों में अधिक जन-घनत्व देखने को मिलता है।

↳ शुष्क भागों में जल की कमी के कारण जनसंख्या का वितरण बहुत कम पाया जाता है।

स्थिति एवं अभिगम्यता :-

↳ जिन क्षेत्रों की स्थिति (जैसे-मैदानी भाग, परिवहन साधनो की पहुँच, जल की उपलब्धता) अच्छी होगी वहाँ जनसंख्या का वितरण अधिक

देखने को मिलेगा व जहाँ प्रतिकूल स्थितियों वाले क्षेत्रों (पहाड़ी, पठारी) में जनसंख्या वितरण विरल होगा।

मानवीय कारक :-

↳ जनसंख्या के वितरण को प्राकृतिक कारकों के अलावा, मानवीय कारक भी प्रभावित करते है जैसे :-

(1) आर्थिक कारक :-

↳ मानव उन क्षेत्रों में निवास करना चाहता है जहाँ किसी न किसी रूप में रोजगार के साधन उपलब्ध हो इसी कारण रोजगार उपलब्ध क्षेत्रों में जनसंख्या का सघन वितरण पाया जाता है।

(2) सामाजिक व सांस्कृतिक कारक

↳ जनसंख्या के वितरण पर सामाजिक व सांस्कृतिक कारको का भी प्रभाव देखा जाता है।

↳ रूढ़िवादी समाजों में सामाजिक मान्यताएं व धार्मिक विश्वास आदि परिवार नियोजन में बाधक होते हैं ऐसे समाजो में जनसंख्या का वितरण अधिक जनसंख्या के कारण सघन होता है।

↳ इसके विपरीत प्रगतिशील समाजों में परिवार नियोजन व स्थानान्तरण की प्रवृति के कारण जनघनत्व कम पाया जाता हैं।

(3) राजनीतिक कारक :-

↳ राजनीतिक कारक भी जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करते है।

↳ जिन देशों में राजनीतिक अस्थिरता होती है जहाँ युद्ध जैसी स्थिति बनी रहती है वहाँ देश के लोग प्रवास कर अन्यत्र स्थानों पर चले जाते है जिससे जनघनत्व कम हो जाता है।

↳ जिन देशों में राजनीतिक स्थिरता होती है वहाँ जनसंख्या का घनत्व भी अधिक देखा जाता है।

(4) जनांकिकीय कारक :-

↳ जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि, प्रवास, नगरीकरण, जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले प्रमुख जनांकिकीय कारक है।

जनसंख्या का विश्व वितरण

↳ आज विश्व की कुल जनसंख्या 8 करोड़ से ज्यादा है जिसका आधा भाग अकेले एशिया महाद्वीप में बसा हुआ है।

विश्व की जनसंख्या – 2024

महाद्वीप	जनसंख्या (दस लाख में)	विश्व का प्रतिशत	वृद्धि दर
एशिया	4785	58.94%	0.66%
अफ्रीका	1494	18.41%	2.33%
यूरोप	741	9.13%	−0.07%
उत्तरी अमेरिका	608	7.49%	0.66%
दक्षिणी अमेरिका	442	5.45%	0.70%
ओशिनिया	46	0.57%	1.15%
विश्व	8118		0.91%

विश्व की जनसंख्या वितरण :

↳ सम्पूर्ण विश्व को जनसंख्या के आधार पर 4 समूहों में विभक्त किया जा सकता है –

अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र
मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र
अल्प जनसंख्या वाले क्षेत्र
निर्जन जनसंख्या वाले क्षेत्र

Unleash the topper in you

विश्व में जनसंख्या घनत्व

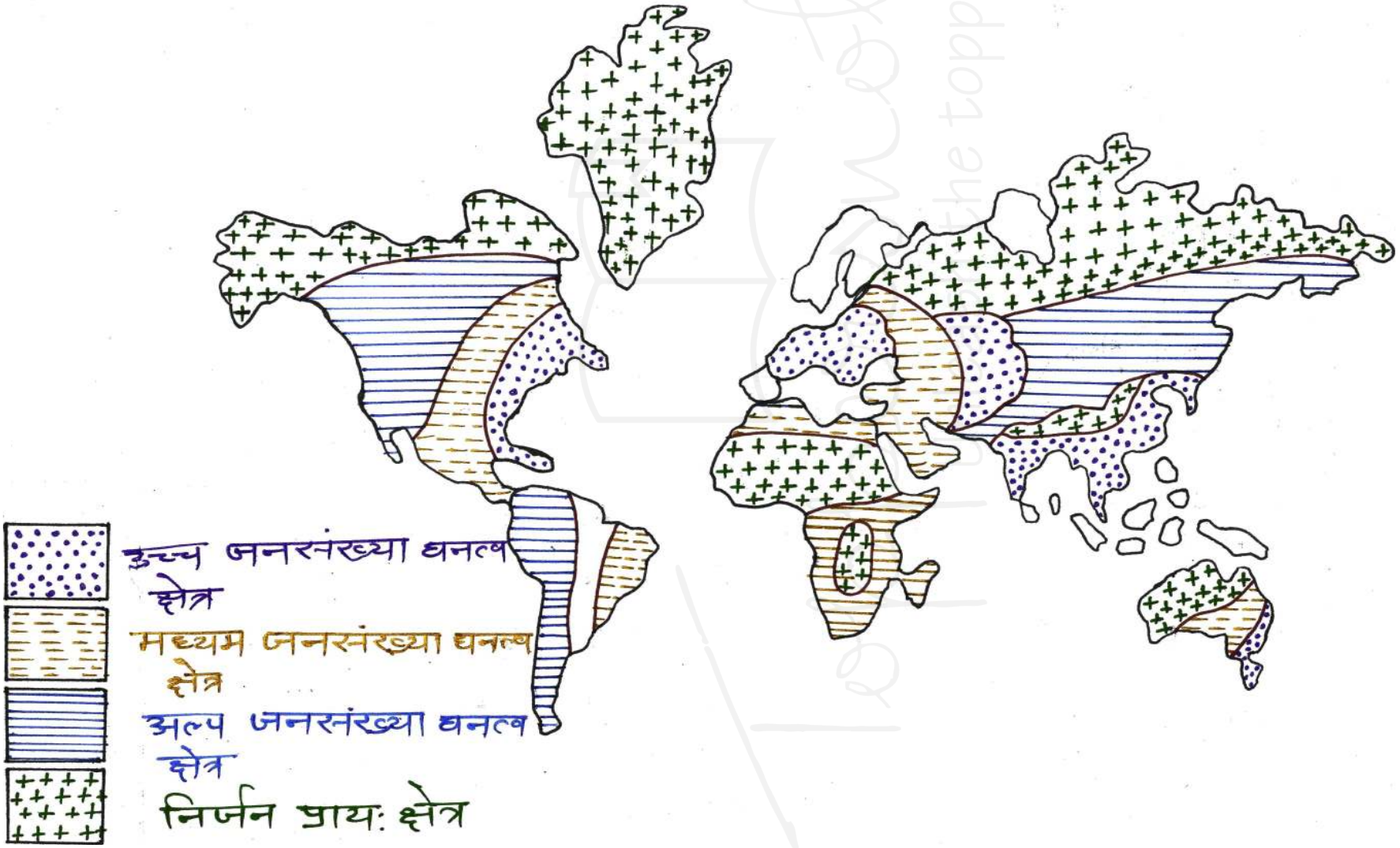

(1) अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र :-

↳ विश्व की जनसंख्या के वितरण को देखा जाये तो 90% जनसंख्या उत्तरी गोलार्द्ध में निवास करती है जिसका अधिकांश भाग तीन विशाल जन समूहों में केन्द्रित है।

(A) दक्षिणी, पूर्वी व दक्षिणी पूर्वी एशिया।
(B) उत्तरी, पश्चिमी एवं मध्य यूरोप।
(C) उत्तरी-पूर्वी, उत्तरी अमेरिका।

(A) दक्षिणी, पूर्वी व दक्षिणी पूर्वी एशिया :-

↳ यह विश्व का सबसे बड़ा जनसंख्या समूह है।
↳ यहाँ मानसूनी जलवायु के कारण मानसूनी जनसंख्या समूह के नाम से भी जाना जाता है।
↳ इस जनसमूह में विश्व की 30% से भी अधिक जनसंख्या निवास करती है।
↳ इस जन समूह में विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश भारत व चीन है।
↳ यह जन समूह 10° उत्तरी अक्षांश से 40° 30' अक्षांश के मध्य स्थित है। जहाँ उष्ण व उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु पायी जाती है।
↳ इस जनसमूह में स्थित दक्षिण पूर्वी एशिया में चावल की कृषि अधिक होने के कारण इसे चावल सभ्यता भी कहा जाता है।
↳ इस जनसमूह में प्रमुख जनसंख्या वाले देश :-

(1) भारत
(2) चीन
(3) इण्डोनेशिया
(4) पाकिस्तान
(5) बांग्लादेश

(B) उत्तरी-पश्चिमी एवं मध्यवर्ती यूरोप :-

↳ एशिया के बाद विश्व दूसरा विशाल जनसंख्या समूह यूरोप में स्थित है।
↳ यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा जनसमूह है।

↳ यह जनसमूह 40°-60° उत्तरी अक्षांशों के बीच शीतोष्ण जलवायु में पाया जाता है।

↳ इस जनसमूह में उच्च नगरीकरण पाया जाता है।

↳ इस जनसमूह में जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, स्पेन, पोलैण्ड यूगोस्लाविया, चेकोस्लाविया, नीदरलैण्ड, हंगरी, बेल्जियम आदि देश है।

↳ यहाँ स्थित कोयला पेटी को, इस जनसमूह की जनसंख्या की धुरी कहा जाता है।

(3) उत्तरी-पूर्वी, उत्तरी अमेरिका :-

↳ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा जनसमूह है।

↳ इस जनसमूह में उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भाग व कनाडा के पूर्वी भागों को शामिल किया जाता है।

↳ यह सबसे नवीन व विकसित जनसमूह है।

↳ इस जनसमूह का विकास यूरोपीय प्रवास के कारण हुआ है यहाँ अधिकांश जनसंख्या यूरोपीय है।

↳ इस जनसमूह की 75% जनसंख्या नगरों में निवास करती है।

मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र

↳ मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र लगभग सभी महाद्वीपो में स्थित है।

↳ एशिया में - टर्की, इजरायल, जार्डन, लेबनान में जनसंख्या वितरण मध्यम प्रकार का है।

↳ यूरोप मे फ्रांस, पुर्तगाल, इटली, युगोस्लाविया, यूनान में जनसंख्या अधिक सघन नहीं है।

↳ अमेरिका में भी व्यापारिक कृषि क्षेत्रों में जनसंख्या मध्यम प्रकार की है।

अल्प या निर्जन प्राय: जनसंख्या क्षेत्र

↳ इस प्रकार के क्षेत्रों में जनसंख्या बहुत ही कम न के बराबर होती है

↳ इस प्रकार के क्षेत्रों में मरुस्थल, भूमध्यरेखीय जंगल, उच्च पठारी क्षेत्र, टैगा वन क्षेत्र आदि प्रमुख है।

(A) अति शीत प्रदेश
(B) अति शुष्क प्रदेश
(C) अति उनार्द्र प्रदेश
(D) उच्च पर्वतीय प्रदेश

महाद्वीपो के अनुसार जनसंख्या वितरण

एशिया :-

↳ विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप
↳ इस महाद्वीप में विश्व की 60% जनसंख्या निवास करती है।

प्रमुख देश

भारत - 142.9 करोड़
चीन - 142.6 करोड़
इण्डोनेशिया - 27.8 करोड़
पाकिस्तान - 24.0 करोड़
बांग्लादेश - 17.3 करोड़
जापान - 12.3 करोड़
फिलिपिन्स - 11.7 करोड़
वियतनाम - 9.9 करोड़

Toppersnotes
Unleash the topper in you

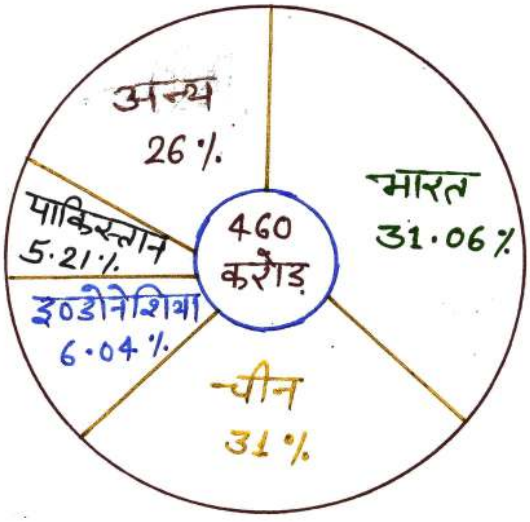
अन्य
26 %
भारत
31.06 %
पाकिस्तान
5.21 %
460
करोड़
इंडोनेशिया
6.04 %
चीन
31 %

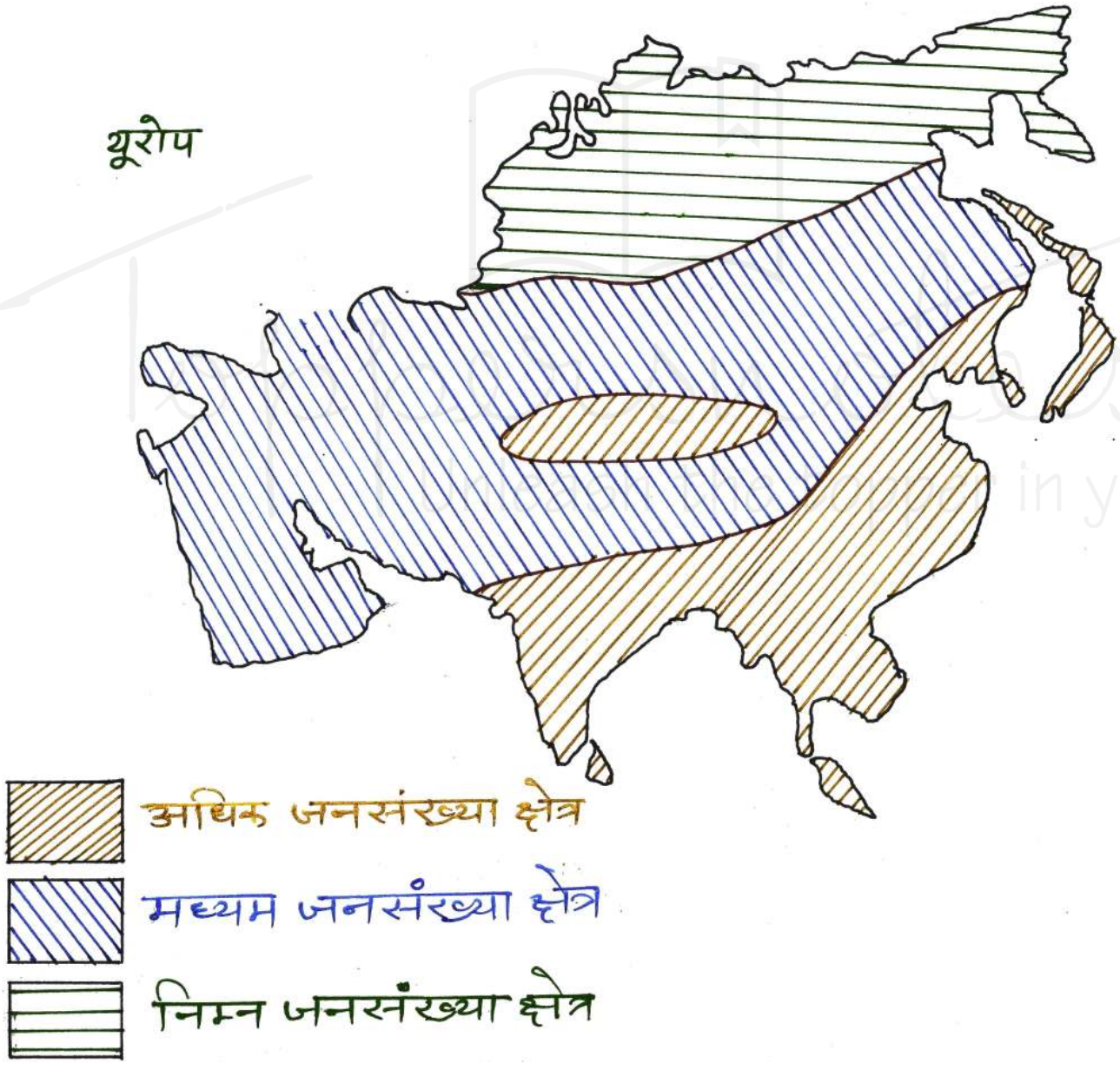
थूरोप
अधिक जनसंख्या क्षेत्र
मध्यम जनसंख्या क्षेत्र
निम्न जनसंख्या क्षेत्र

अफ्रीका :-

↳ अफ्रीका की कुल जनसंख्या 148 करोड़ है।
↳ अफ्रीका में विश्व की 17.8% जनसंख्या निवास करती है

नाइजीरिया – 22.9 करोड़
इथियोपिया – 12.9 करोड़
इजिप्ट – 11.4 करोड़
कांगो – 10.5 करोड़
तंजानिया – 6.9 करोड़

यूरोप :-

↳ यूरोप की कुल जनसंख्या लगभग 75 करोड़ है।

प्रमुख जनसंख्या देश :-

रूस - 14 करोड़
टर्की - 8.5 करोड़
जर्मनी - 8.3 करोड़
U.K - 6.5 करोड़
फ्रांस - 6.4 करोड़

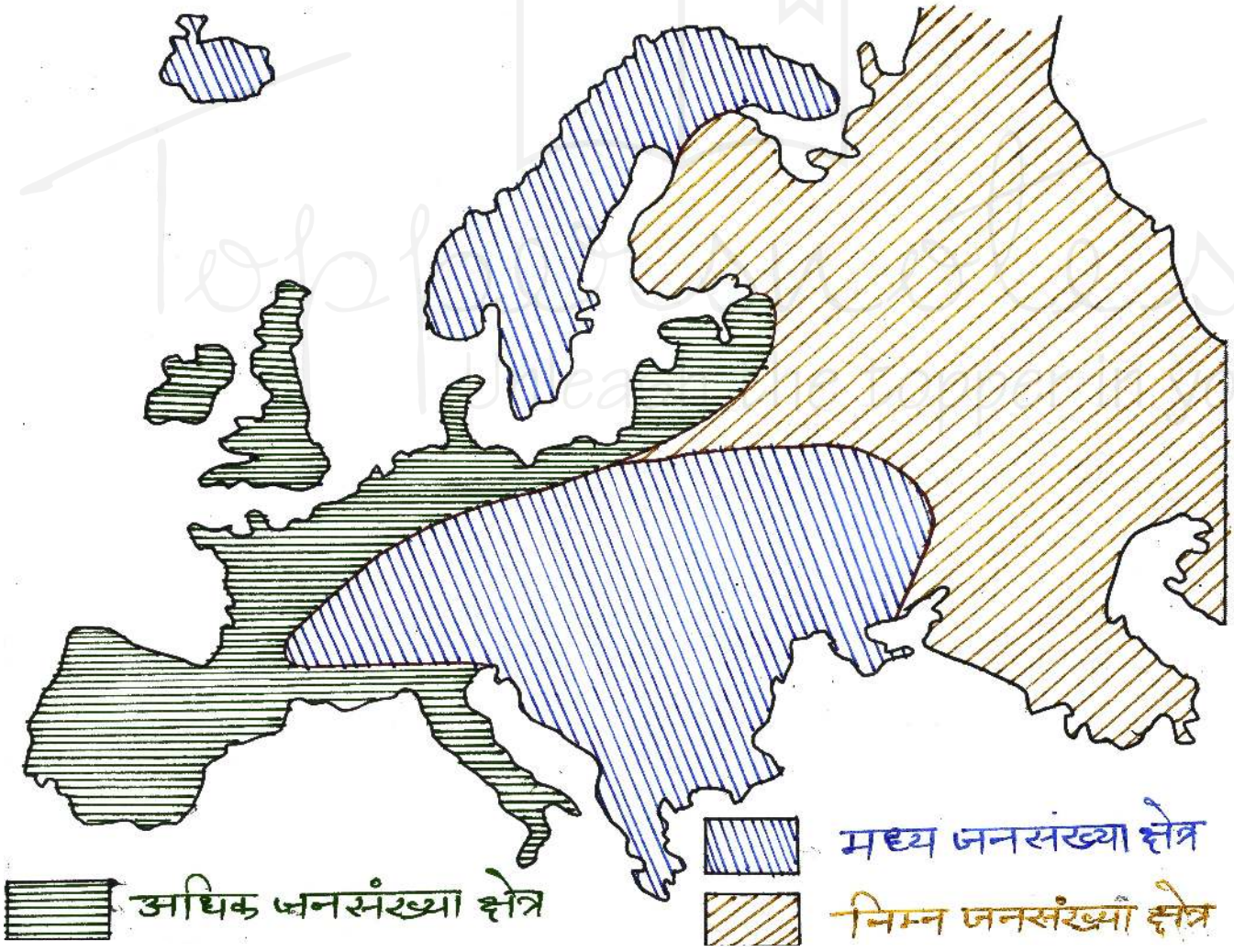

उत्तरी अमेरिका :-

↳ उत्तरी अमेरिका की कुल जनसंख्या 38 करोड़ है।

↳ इसमें विश्व की कुल जनसंख्या का 4·7% निवास करता है।

USA – 33 करोड़

~~मैक्सिको~~ - 12 करोड़

कनाडा – 3·8 करोड़